पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'पेड्डी' ट्रेलर लांच के लिए राम चरण ने कराया न्यू हेयर कट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 68 ■ मंगलवार 19 मई 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर में 283 बिल्डिंग धोखादायक

06 बिल्डिंगें अति खतरनाक

144 बिल्डिंग का स्ट्रक्चरल ऑडिट ही नहीं!

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर पर एक बार फिर खतरे का काला साया मंडरा रहा है, और मनपा की लेटेस्ट रिपोर्ट ने लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर की करीब 283 बिल्डिंग खतरनाक पाई गई हैं और चूंकि उनमें से 6 बहुत खतरनाक हालत में हैं, इसलिए उन्हें तुरंत खाली करने का समय आ गया है। खास बात यह है कि भयानक सच्चाई सामने आई है कि हजारों लोग सचमुच मौत के साये में जी रहे हैं क्योंकि 144 बिल्डिंग के पास स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट नहीं है। मानसून का मौसम बस कुछ ही दिन दूर है और इस रिपोर्ट ने प्रशासन के साथ-साथ लोगों को भी जगा दिया है।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा हाल ही में जारी खतरनाक बिल्डिंग पर रिपोर्ट के अनुसार, शहर की चारों वार्ड कमेटियों में खतरनाक कंस्ट्रक्शन की संख्या खतरनाक रूप से बढ़ गई है। वार्ड कमेटी नंबर 1 में 84 खतरनाक बिल्डिंग रजिस्टर की गई हैं, सबसे ज़्यादा वार्ड कमेटी नंबर 2 में 99, वार्ड कमेटी नंबर 3 में 63 और वार्ड कमेटी नंबर 4 में 37 बिल्डिंग हैं। इनमें से,6 बिल्डिंग को बहुत ज़्यादा खतरनाक और रहने लायक बिल्कुल नहीं बताया गया है।

साथ ही, 34 बिल्डिंग खाली करने और स्ट्रक्चरल रिपेयर की कैटेगरी में हैं, और 227 बिल्डिंग को तुरंत रिपेयर की ज़रूरत बताई गई है। 16 बिल्डिंग छोटी-मोटी रिपेयर की कैटेगरी में हैं।00

मॉनसून के मौसम में किसी भी तरह के एक्सीडेंट को रोकने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन अलर्ट है और संबंधित डिपार्टमेंट्स को खास इंस्ट्रक्शन दिए गए हैं। लोगों को भी अपनी सेफ्टी के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इंस्ट्रक्शन्स को फॉलो करना चाहिए।₹ सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 144 बिल्डिंग्स का स्ट्रक्चरल ऑडिट नहीं हुआ है। इसलिए, ऐसी चर्चा है कि प्रशासन को भी इस बात का सही अंदाज़ा नहीं है कि इन बिल्डिंग्स की असल हालत कितनी सीरियस है।

स्ट्रक्चरल ऑडिट नहीं, तो होगी कार्रवाई

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन लोगों की सेफ्टी को सबसे ज़्यादा प्रायोरिटी दे रहा है। शहर में खतरनाक बिल्डिंग्स का सर्वे पूरा हो चुका है और बहुत ज़्यादा खतरनाक और खतरनाक बिल्डिंग्स में रहने वालों से अपील की गई है कि वे तुरंत किसी सुरक्षित जगह पर चले जाएं।
जिन बिल्डिंग्स का स्ट्रक्चरल ऑडिट नहीं हुआ है, उनके खिलाफ नियमों के मुताबिक एक्शन लिया जाएगा।

प्रभाग 2 में सर्वाधिक खतरनाक इमारतें

प्रभाग कमेटी-1	84
प्रभाग कमेटी-2	99
प्रभाग कमेटी-3	63
प्रभाग कमेटी-4	37
कुल	283

नोटिस जारी करने का प्रोसेस शुरू

शहर में अभी भी हज़ारों परिवार पुरानी और टूटी-फूटी बिल्डिंग्स में रह रहे हैं। मॉनसून में एक्सीडेंट्स से बचने के लिए महानगर पालिका ने संबंधित बिल्डिंग्स को नोटिस जारी करने का प्रोसेस शुरू कर दिया है और लोगों से अपील की जा रही है कि वे अपनी सेफ्टी को प्रायोरिटी दें और एडमिनिस्ट्रेशन के इंस्ट्रक्शन्स को फॉलो करें।

-मनीषा अव्हाले
(कमिश्नर, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन)

पुलिस स्टेशन की आरक्षित जमीन हड़पने का प्रयास

- मनपा के तोड़क दस्ते ने किया जमींदोज़
- भूमाफिया के खिलाफ़ अपराध दर्ज

कल्याण. महाराष्ट्र सरकार ने उल्हासनगर 5 में स्वामी शांति प्रकाश आश्रम के पास गायकवाड़पाड़ा इलाके में हिललाइन पुलिस स्टेशन बनाने के लिए ज़मीन का एक प्लॉट रिज़र्व किया है। यह प्लॉट हिललाइन पुलिस स्टेशन के नाम पर है। ऐसे में, पुलिस ने हिललाइन पुलिस स्टेशन में एक लैंड माफिया के खिलाफ़ केस दर्ज किया है, जिसने उल्हासनगर मनपा और पुलिस डिपार्टमेंट से बिना कोई परमिशन लिए इस प्लॉट पर गैर-कानूनी तरीके से कंस्ट्रक्शन किया था। हिललाइन पुलिस स्टेशन की क्लर्क वर्षा देशपांडे की शिकायत पर, पंकज वसंत भोईर नाम के माफिया के खिलाफ़ यह केस दर्ज किया गया है, जिसने महानगर पालिका और पुलिस डिपार्टमेंट से बिना परमिशन लिए पुलिस स्टेशन के लिए रिज़र्व प्लॉट में गैर-कानूनी तरीके से घुसकर वहाँ गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन किया था।

वर्षा देशपांडे ने पुलिस स्टेशन में दी अपनी शिकायत में कहा है कि सरकार ने उल्हासनगर 5 में स्वामी शांति प्रकाश आश्रम के पास गायकवाड़पाड़ा इलाके में हिललाइन पुलिस स्टेशन बनाने के लिए ज़मीन का एक प्लॉट रिज़र्व किया है। इस प्लॉट का नंबर 172 है। इस प्लॉट का 7/10 हिस्सा पुलिस स्टेशन के नाम पर है। कांस्टेबल अजीत सालुंखे मंगलवार को हिललाइन पुलिस स्टेशन की सीमा में पेट्रोलिंग कर रहे थे। उस समय उन्होंने देखा कि पुलिस स्टेशन के लिए रिज़र्व प्लॉट पर 20 फीट चौड़ा और 20 फीट लंबा एक गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन किया गया है। सालुंखे ने सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर को इसकी जानकारी दी। जब वे अपने सीनियर्स के ऑर्डर पर संबंधित जगह पर गए, तो उन्होंने पाया कि पुलिस स्टेशन के लिए रिज़र्व प्लॉट पर एक बहुत बड़ा गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन किया गया था। जानकारी मिली कि यह कंस्ट्रक्शन उल्हासनगर 5 के रहने वाले पंकज वसंत भोईर ने किया है। पुलिस ने यह जानकारी उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन वार्ड ऑफिस को दी। और इस गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की। मनपा टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पुलिस स्टेशन की प्लॉट पर बने गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को JCB की मदद से गिरा दिया।

कम कीमत में सोना बेचने के नाम पर ठगी

ठाणे. शहर के एक आभूषण व्यापारी को कम कीमत पर सोना बेचने के बहाने छह लोगों ने कथित तौर 14 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है. इस संदर्भ में पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है. पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के मुताबिक मुंबई के गोरेगांव निवासी 31 वर्षीय पीड़ित ने दावा किया कि आरोपियों ने उसे रियायती दर पर सोना बेचने का प्रस्ताव दिया था. आरोपियों ने कथित तौर पर 12 मई को वसंत विहार इलाके में उससे 14 लाख रुपये नकद ले लिए, लेकिन वादे के अनुसार 100 ग्राम सोना नहीं दिया.

देशभर में कल बंद रहेंगी दवा की दुकानें

12 लाख विक्रेता हुए आक्रामक

कल्याण. ऑल इंडिया केमिकल एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन 20 मई को गैर-कानूनी दवा बिक्री, गैर-कानूनी डिस्काउंट के साथ GSR नोटिफिकेशन को रद्द करने की मांग को लेकर दवा बेचने वालों का देशव्यापी बंद करेगा। ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट जगन्नाथ उर्फ अप्पा शिंदे ने बताया कि देश के 12.5 लाख दवा बेचने वाले इस बंद में हिस्सा लेंगे। दवा बेचने का बिजनेस ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और एक्ट 1945 के तहत चलता है।

अप्पा शिंदे ने बताया कि इसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए दवाओं की बिक्री को लेकर कोई प्रोविजन नहीं है। केंद्र सरकार ने 28 अगस्त 2018 को इंटरनेट के जरिए दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया है। हालांकि इसे अभी तक कानून में नहीं बदला गया है, लेकिन पूरे देश में गैर-कानूनी ऑनलाइन दवाओं की बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही है और इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट में एक पिटीशन फाइल की गई है। शिंदे ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगा दी है, फिर भी सरकार इसे नज़रअंदाज़ कर रही है।

कोरोना काल में सरकार ने दवाओं की होम डिलीवरी के लिए खास छूट दी थी। अब कोरोना के 5 साल बाद भी बार-बार कहने पर भी यह छूट रद्द नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन कंपनियां इसका फ़ायदा उठा रही हैं और अपने शेयर कैपिटल का इस्तेमाल करके दवाएं बेचने का बिज़नेस कर रही हैं। कॉर्पोरेट कंपनियों के अनप्रोफेशनल कॉम्पिटिशन की वजह से कई छोटे कारोबारी मुश्किल में पड़ गए हैं। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में दवा डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के खतरे में पड़ने की संभावना जताई।

उन्होंने साफ़ किया कि केंद्र सरकार हमारी बात नहीं मान रही है, और आखिर में 20 मई, 2026 को पूरे भारत में दवा बेचने वालों का देशव्यापी बंद बुलाया गया है। जगन्नाथ (अप्पा) शिंदे ने यह भी चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार हमारी मांगों पर ध्यान नहीं देती है, तो भविष्य में अनिश्चित काल के लिए दुकानें बंद रहेंगी, और हमारी मेडिकल दुकानों की चाबियां केंद्र सरकार को भेज दी जाएंगी।

इस मौके पर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के ठाणे डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट दिलीप देशमुख, एसोसिएशन के सेक्रेटरी सुरेश भट, केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के ठाणे डिस्ट्रिक्ट ट्रेज़रर एडवोकेट गणेश शेलके मौजूद थे। दवा बेचने वालों ने अपनी दुकानों के सामने बंद के पोस्टर चिपका दिए हैं।

दवा विक्रेताओं का बिज़नेस बंद होने की कगार पर

चेयरमैन शिंदे ने कहा कि ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर एक्ट के मुताबिक, सरकार मैन्युफैक्चरर्स से कुछ ज़रूरी दवाओं पर होलसेलर को 8 परसेंट और रिटेलर को 16 परसेंट प्रॉफ़िट देती है, जबकि अनकंट्रोल्ड दवाओं पर होलसेलर को 10 परसेंट और रिटेलर को 20 परसेंट प्रॉफ़िट देती है। कॉर्पोरेट कंपनियां अपने शेयर कैपिटल का इस्तेमाल अनप्रोफेशनल कॉम्पिटिशन के लिए करती हैं और 20 से 50% तक डिस्काउंट देती हैं। इस वजह से शिंदे ने डर जताया कि देश में 12 .5 लाख दवा बेचने वालों का बिज़नेस बंद होने की कगार पर है। इस बारे में केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रियों और संबंधित एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों को बार-बार रिप्रेजेंटेशन देने के बावजूद, केंद्र सरकार पर्सनल मीटिंग के लिए समय मांगने के बाद भी इसे नज़रअंदाज़ कर रही है।

शिवसेना-भाजपा नेताओं ने दावा-प्रतिदावा वापस लेने के लिए अर्जी दी

- उच्च न्यायालय-जिलाधिकारी को दी गई अर्जी
- लेकिन विकास सोमेश्वर की अर्जी अब तक वापस नहीं

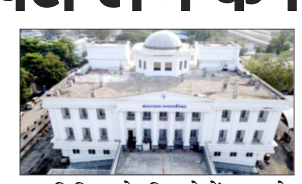

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना-भाजपा में चार महिने तक सत्ता संघर्ष के बाद आखिर गठबंधन की घोषणा के बाद सोमवार को दोनों पक्ष के नेताओं ने मुंबई उच्च न्यायालय एवं जिलाधिकारी कार्यालय में जाकर दावे-प्रतिदावे वापस लेने के लिए अर्जी दी है. इस संबंध में भाजपा के नेता एवं नगरसेवक अभिजीत करंजुले एवं शिवसेना के गट नेता रविंद्र करंजुले ने हमें बताया कि दावे-प्रतिदावे वापस लेने के लिए अर्जी दी जा चुकी है.

विदित हो कि दोनों पक्ष के स्थानीय नेताओं ने शनिवार को संयुक्त बैठक लेकर ये निर्णय लिया था. शिवसेना ने जिलाधिकारी के पास भाजपा में गए 12 कांग्रेस के नगरसेवकों को अपात्र करने की याचिका दाखिल की थी, तो दूसरी ओर भाजपा ने शिवसेना एवं राकांपा के चार नगरसेवकों के गठबंधन को अवैध करार देने के लिए उच्च न्यायालय में दावा किया था. बैठक में मामला तय करने के बाद सोमवार को दोनों पक्षों ने दावे-प्रतिदावे को वापस लेकर गठबंधन को और भी मजबूत किया है. ऐसा दावा दोनों तरफ से किया जा रहा है. लेकिन शिवसेना के विकास हेमराज ने कांग्रेस के 12 नगरसेवकों को अपात्र करने के लिए जिलाधिकारी को जो पत्र दिया था, वह उन्होंने वापस नहीं लिया है. ये पूछने के लिए हमने उन्हें फोन किया तो उनका फोन 'नॉट रिचेबल' बता रहा था.

विदित हो कि गठबंधन की बैठक और घोषणा के समय भी वह उपस्थित नहीं थे. ये एक सस्पेंस बना हुआ है.

शिवसेना-भाजपा गठबंधन के बाद रविवार को अंबरनाथ के शिवसेना-भाजपा के नेताओं ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से एकत्रित भेंट की. गठबंधन एवं अन्य मामलों पर चर्चा की गई. बाद में चव्हाण ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फोन पर अंबरनाथ में शिवसेना-भाजपा के गठबंधन के बारे में जानकारी दी. मुख्यमंत्री ने सभी को शुभेच्छा दी है.

उल्हासनगर का डंपिंग ग्राउंड अभी भी सुलग रहा!

- 90 दिन बीत गए, लेकिन कचरे का पहाड़ बरकरार

उल्हासनगर. उल्हासनगर-5 में गैर-कानूनी डंपिंग ग्राउंड हटाने का 90 दिन का वादा हवा-हवाई हो जाने से अब लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लोग अब सीधे उन जनप्रतिनिधियों से सवाल पूछ रहे हैं जिन्होंने फरवरी में पब्लिक प्लेटफॉर्म पर यह घोषणा की थी. डंपिंग ग्राउंड से उठ रहा जहरीला धुआं और बढ़ता कचरे का पहाड़ इलाके के लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। इस वजह से एक तरफ आश्वासनों की आतिशबाजी और दूसरी तरफ लोगों की जान से खिलवाड़ किए जाने की नाराजगी नागरिकों द्वारा जाहिर की जा रही है।

उल्हासनगर-5 इलाके में गैर-कानूनी डंपिंग ग्राउंड का मुद्दा दिन-ब-दिन गंभीर होता जा रहा है और इलाके के लोगों में इसे लेकर गहरी नाराजगी का माहौल बन गया है। 10 फरवरी को आयोजित एक पब्लिक प्रोग्राम में महापौर प्रतिनिधि कमलेश निकम ने दावा किया था कि '90 दिनों में डंपिंग ग्राउंड हटा दिया जाएगा'। लेकिन, 15 मई के बाद भी हालात नहीं बदले, इसलिए लोगों ने अधिकारियों और प्रशासन की काबिलियत पर सवाल उठाए हैं। अभी, इस डंपिंग ग्राउंड पर हर दिन बड़ी मात्रा में कचरा डाला जा

इलाके में फैल रहा है ज़हरीला धुआं..

खास बात यह है कि स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस जगह पर अक्सर आग लगाई जा रही है। इससे पूरे इलाके में ज़हरीला धुआं फैल रहा है, जिससे लोगों की सेहत को गंभीर खतरा है। लोगों की शिकायत है कि धुएं की वजह से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सांस की दिक्कत, आंखों में जलन और दूसरी बीमारियां हो रही हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, डंपिंग ग्राउंड इलाके में सुबह और शाम को कोहरे जैसा माहौल बन जाता है। हालांकि, यह माहौल देखने लायक नहीं है, बल्कि ज़हरीले धुएं से ढका हुआ है, इसलिए लोग डरे हुए हैं। अब लोग गुस्से में यह सवाल उठा रहे हैं, 'क्या लोगों की सेहत की परवाह नहीं है?'

शहापुर में आदमखोर तेंदुआ पकड़ा गया

शहापुर. शहापुर तालुका के डोलखांब फॉरेस्ट रेंज के कळभोंडे इलाके में तेंदुए के हमले में आठ साल के लड़के की मौत के बाद फॉरेस्ट डिपार्टमेंट का चलाया गया स्पेशल ऑपरेशन आखिरकार कामयाब हो गया। रविवार सुबह तेंदुआ पकड़ा गया, जिससे गांव वालों को थोड़ी राहत मिली।

21 अप्रैल को डोलखांब फॉरेस्ट रेंज के कळभोंडे (लदेवाडी) में एक तेंदुए ने कृष्णा भागा अगिवले (8) पर हमला कर दिया था। इसमें कृष्णा की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद इलाके में डर का माहौल बन गया था। गांव वाले तेंदुए को पकड़ने की मांग कर रहे थे। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने तेंदुए की तलाश के लिए पिंजरे, ट्रैप कैमरे और लाइव CCTV कैमरे लगाए थे। साथ ही, पेट्रोलिंग टीम और रैपिड रिस्पॉन्स टीम लगातार इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी।

इस ऑपरेशन के दौरान, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को रविवार सुबह करीब 7:30 बजे पिंजरे में फंसा हुआ संबंधित तेंदुआ दिखाई दिया। फॉरेस्ट अधिकारियों ने बताया कि जिस जगह तेंदुआ पकड़ा गया था और जिस जगह लड़के पर हमला हुआ था, वे करीब एक किलोमीटर दूर हैं।

तेंदुए को 'फिजिकल कैप्चर' तरीके से सुरक्षित रूप से पकड़ लिया गया है और फिर उसका मेडिकल एग्जामिनेशन किया गया। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने बताया कि सीनियर अधिकारियों की गाइडेंस में नियमों के अनुसार आगे की प्रक्रिया चल रही है। यह ऑपरेशन फॉरेस्ट डिपार्टमेंट, पुलिस और गांववालों के सहयोग से किया गया। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने साफ किया है कि भविष्य में इंसान-जानवरों के टकराव को रोकने के लिए बचाव के उपायों को और असरदार तरीके से लागू किया जाएगा।

उल्हास नदी में डूबा युवक

नेरल. रविवार को नेरल इलाके में उल्हास नदी में एक 17 साल का युवक डूब गया। मरने वाले युवक की पहचान प्राचित दत्तात्रेय देशमुख (17) के तौर पर हुई है, जो सावने, तालुका खालापुर का रहने वाला था। प्राचित ने हाल ही में 12वीं का एग्जाम दिया था। वह छुट्टियों में अपनी मौसी से मिलने नेरल आया था।

मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे नेरल के हेतकर अली इलाके में रहने वाले अपने मौसा-मौसी रामदास शिंदे के घर आया प्राचित अपनी मौसी, मौसा और परिवार के दूसरे लोगों के साथ नेरल-कालंब स्टेट हाईवे के दहीवली साइड पर वरेडी ग्राम पंचायत की हद में मौजे बर्डोले इलाके में हमेशा बहने वाली उल्हास नदी में कपड़े धोने गया था।

इसी बीच, जब कुछ लोग नदी के किनारे कपड़े धो रहे थे, प्राचित तैरने के लिए नदी में चला गया। लेकिन, उसे पता नहीं चला कि पानी कितना गहरा है, इसलिए वह डूब गया। उसने मदद के लिए आवाज़ भी लगाई। इस समय, मौसी खुद और एक पड़ोसी अरुण गवांडा युवक को बचाने के लिए नदी में कूद गए। लेकिन, प्रचित कुछ ही सेकंड में पानी में गायब हो गया। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

दुष्कर्म पीड़ित नाबालिग लड़कियों की पढ़ाई का खर्च सरकार उठाएगी

बदलापुर. अगस्त 2024 में बदलापुर के एक स्कूल में ज़ुल्म की शिकार हुई दो नाबालिग लड़कियों की पढ़ाई का खर्च सरकार ने उठाया है। उस घटना के बाद, उनमें से दो की पढ़ाई में कोई रुकावट न आए, इसके लिए सरकार ने खास मामले के तौर पर उनकी 10वीं क्लास तक की पूरी पढ़ाई का खर्च उठाने की मंज़ूरी दी है। इस बारे में सरकारी फ़ैसला जारी कर दिया गया है।

बदलापुर के स्कूल में हुई घटना के बाद लोगों में भारी गुस्सा था। आरोपियों की गिरफ़्तारी के बाद, उस समय के स्कूल शिक्षा मंत्री ने ऐलान किया था कि पीड़ित लड़कियों की पढ़ाई का खर्च सरकार उठाएगी। इसके अनुसार, लड़कियों के माता-पिता की इच्छा के अनुसार, दोनों लड़कियों को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में जूनियर के.जी. में संबंधित स्कूलों में दाखिला दिया गया। सरकार के फैसले के अनुसार, निर्भया नंबर 1 का कक्षा 1 से कक्षा 10 तक और निर्भया नंबर 2 का लंबित सीनियर के.जी. में दाखिला और कक्षा 1 से 10 तक शैक्षणिक वर्ष के लिए दाखिला शुल्क सरकार द्वारा 'बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009' के तहत दिया जाएगा।

धन वितरण का तरीका बहुत ढीला रखा गया है ताकि पीड़ित परिवार को इस प्रक्रिया में किसी भी प्रशासनिक परेशानी का सामना न करना पड़े। ठाणे ज़िला परिषद के संबंधित प्राइमरी एजुकेशन ऑफिसर इस फ़ीस के बारे में प्रपोज़ल डायरेक्टर ऑफ़ एजुकेशन (प्राइमरी), पुणे को देंगे। डायरेक्टर ऑफ़ एजुकेशन से मंज़ूरी मिलते ही, ज़िला परिषद एजुकेशन ऑफिसर के ज़रिए संबंधित स्कूलों को सीधे यह फ़ीस देने का एक्शन लिया जाएगा। इस बात की आलोचना हुई थी कि सरकार के भरोसे के बावजूद इसे खर्च करने का फ़ैसला सरकारी लेवल पर नहीं लिया गया।

रात के अंधेरे में आवारा कुत्तों का हमला

- स्ट्रीट लाइट के मेंटेनेंस और रिपेयर पर हर महीने 17 लाख खर्च, फिर भी शहर अंधेरे में

अंबरनाथ. अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल शहर में स्ट्रीट लाइट के मेंटेनेंस और रिपेयर के लिए संबंधित कॉन्ट्रैक्टर को हर महीने 17 लाख रुपये देती है। लेकिन, शहर में कई जगहों पर स्ट्रीट लाइट बंद होने की वजह से रात में शहर अंधेरे में रहता है। इस घने अंधेरे की वजह से आवारा कुत्ते लोगों पर हमला करते देखे जाते हैं। लेकिन, इन बंद स्ट्रीट लाइट पर कोई ज़रूरी कार्रवाई नहीं की जाती।

अंबरनाथ शहर में करीब 15,000 स्ट्रीट लाइट हैं। अंबरनाथ नगर परिषद इन स्ट्रीट लाइट के मेंटेनेंस और रिपेयर के लिए संबंधित कॉन्ट्रैक्टर को हर महीने 17 लाख रुपये देती है। लेकिन, इनमें से ज़्यादातर स्ट्रीट लाइट रात में बंद रहती हैं। स्टेशन एरिया, फ्लाईओवर, बाईपास रोड, लोकनगरी जैसी बड़ी सड़कों पर लगी स्ट्रीट लाइट अक्सर बंद रहती हैं। इस वजह से, देर रात काम से घर आने वाले लोगों, खासकर महिलाओं के लिए इन अंधेरी सड़कों पर अपने घर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं, लोगों को सड़कों पर आवारा कुत्तों की परेशानी भी झेलनी पड़ती है। इतना ही नहीं, ये आवारा कुत्ते हमला भी करते हैं। इसलिए, उनसे बचाव करते हुए घर पहुंचना एक तरह से चुनौती है। इसलिए, नगर निगम को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि सड़कों पर स्ट्रीट लाइट रेगुलर जलती रहें और जहां स्ट्रीट लाइट बंद हैं, उन्हें ठीक किया जाए। यही मांग अब लोग कर रहे हैं।

बिजली की लाइनें अंडरग्राउंड की जाएं

चूंकि उल्हासनगर और बदलापुर शहरों में स्ट्रीट लाइट की बिजली की लाइनें अंडरग्राउंड हैं, इसलिए इन शहरों में स्ट्रीट लाइट रेगुलर जलती हुई देखी जाती हैं। इसलिए, अंबरनाथ शहर में स्ट्रीट लाइट की बिजली की लाइनें भी अंडरग्राउंड की जानी चाहिए। ताकि बिजली जाने के मामले कम हो जाएं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास
संपादकीय

तकनीक की तरक्की और ठगी का जाल

इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की दुनिया में डिजिटल सेवाओं ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाया है और आज कई तरह की सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। उम्मीद यह भी की गई थी कि जैसे-जैसे सामान्य कामकाज में डिजिटल संसार का दखल बढ़ेगा, वैसे-वैसे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर काबू पाना आसान होगा। काफी हद तक ऐसा हुआ भी है। मगर इसके समांतर इसी डिजिटल तंत्र के दायरे में अपराध के नए स्वरूप विकसित हुए और आज यह भारत सहित दुनिया भर में एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं।

पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने शुक्रवार को अब तक के सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया, जिसमें काल सेंटर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। फर्जी कंपनी चलाने वाले और ठगी में शामिल एक सौ बत्तीस लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

खबरों के मुताबिक, इस गिरोह में शामिल लोग दूर बैठे कंप्यूटर तक पहुंच हासिल करते थे या फर्जी वायरस और सुरक्षा चेतावनी के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे। लोगों को ई-मेल और बैंक खाते में सेंध लगने का डर दिखा कर उनसे भारी राशि की ठगी की जाती थी।

जाहिर है, डिजिटल दुनिया में जिन आधुनिक तकनीकों को लोगों के जीवन को आसान बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए ज्यादा बेहतर बताया जाता है, उसी में अब अपराध का ऐसा संजाल खड़ा हो चुका है, जिसमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। पिछले कुछ समय से खासतौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें दूर बैठे अपराधी सिर्फ स्मार्टफोन पर वीडियो काल के जरिए किसी व्यक्ति को एक तरह से बंधक बना लेते हैं और डरा-धमका कर भारी रकम वसूल लेते हैं।

हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। सच यह है कि इस क्षेत्र में अपराध का दायरा जितना विस्तृत और जटिल होता जा रहा है, उसके मुकाबले सुरक्षा या बचाव के साथ-साथ अपराध पर काबू पाने के इंतजाम नाकाफी हैं।

विमर्श

मुख्यमंत्रियों के चुनाव हारने की परंपरा

सत्ताधारी मुख्यमंत्री का अपनी ही विधानसभा सीट गंवा देना भारतीय राजनीति का एक रोचक और जटिल पहलू है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक संदर्भों से लेकर हालिया चुनावी उथल-पुथल तक, यह सिलसिला लोकतंत्र की एक ऐसी गाथा सुनाता है जहां जनता की खामोशी सत्ता के अहंकार से कहीं अधिक शक्तिशाली सिद्ध होती है। भारतीय संसदीय इतिहास में मुख्यमंत्रियों के हारने की परंपरा पुरानी है, जो यह दर्शाती है कि यहां की लोकतांत्रिक जड़ें व्यक्ति विशेष के कद से हमेशा गहरी रही हैं। इसकी शुरुआत 1971 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिभुवन नारायण सिंह की मनीराम सीट पर हुई हार से हुई थी, जिसने देश को पहली बार यह अहसास कराया कि मुख्यमंत्री की कुर्सी चुनावी जीत की गारंटी नहीं है। इसके बाद समय-समय पर बड़े नाम इस सूची में जुड़ते गए।

शिबू सोरेन का 2009 के उपचुनाव में तमाड़ सीट से हारना एक बड़े राजनीतिक संकट के रूप में उभरा, क्योंकि वह निर्वाचित हुए बिना मुख्यमंत्री पद पर आसीन थे। इसी तरह बंगाल में 34 वर्षों के वामपंथी शासन के पतन की सबसे बड़ी मुहर मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की 2011 में जादवपुर सीट पर हुई हार थी। उत्तराखंड की भूमि पर भी जनता ने बार-बार यह संदेश दिया है। 2012 में भुवन चंद्र खंडूड़ी का कोटद्वार से हारना और 2017 में हरीश रावत का हरिद्वार ग्रामीण एवं किच्छा जैसी दोनों सीटों से पराजित होना इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। 2022 में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

धामी खटीमा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार से पराजित हुए, जबकि उनकी पार्टी भाजपा राज्य में स्पष्ट बहुमत के साथ वापसी कर रही थी। ये रुझान दर्शाते हैं कि सत्ता की चमक कभी भी मतदाता की मूल अपेक्षाओं और उसके स्वाभिमान के सामने टिक नहीं पाती।

किसी मुख्यमंत्री की हार के पीछे अक्सर सबसे बड़ा कारण उनका अति-आत्मविश्वास और सत्ता का अहंकार होता है। जब कोई नेता लंबे समय तक सत्ता में रहता है या भारी बहुमत से जीतता है तो अक्सर वह जनता की नब्ज टटोलने के बजाय अपनी इच्छाएं जनता पर थोपना शुरू कर देता है। जनता की भावनाओं को समझने के बजाय जब अपनी मनमानियों को जनमानस पर लादने की कोशिश करते हैं तो वहीं से उनके पतन की पटकथा लिखी जाती है। 2017 में हिमाचल के प्रेम कुमार धूमल की सुजानपुर में हार हो या गोवा के लक्ष्मीकांत पारसेकर की मंड्रेम में शिकस्त के पीछे जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और सत्ता का बढ़ता हुआ केंद्रीकरण था। जब जनता को यह लगने लगता है कि उनका सेवक अब उनका शासक बनने की कोशिश कर रहा है तो वह मतदान केंद्र पर चुपचाप अपनी ताकत दिखा देता है।

हाल के वर्षों में, विशेषकर 2021 से 2026 के मध्य, चुनाव में मुख्यमंत्रियों की हार के पैटर्न ने भारतीय राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। बंगाल में 2021 के चुनाव में ममता बनर्जी नंदीग्राम में सुवेंदु अधिकारी से मात खा गईं। ममता बनर्जी ने उसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था, लेकिन जनता ने यह संदेश दिया कि कोई भी व्यक्ति किसी क्षेत्र विशेष को अपनी जागीर नहीं समझ सकता। पंजाब में 2022 के चुनाव में चरणजीत सिंह चन्नी का अपनी दोनों सीटों, चमकौर साहिब और भदौड़ से हारना सत्ता के प्रति जनता के तीव्र मोहभंग का परिणाम था। 2024 में ओडिशा के अजेय माने जाने वाले नवीन पटनायक का कांटाबांजी सीट से हारना और 24 साल के शासन का अंत होना, इस बात का प्रमाण है कि जनता एक समय के बाद बदलाव और नई ऊर्जा चाहती है।

2026 के ताजा चुनावी परिणामों ने इस फेहरिस्त में सबसे चौंकाने वाले अध्याय जोड़े हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहते एमके स्टालिन का अपनी अभेद्य मानी जाने वाली कोलाथुर सीट पर एक नवोदित दल टीवीके के प्रत्याशी से लगभग 9,000 वोटों से हारना यह दर्शाता है कि दक्षिण की राजनीति में भी द्रविड़ किले में दरारें पड़ चुकी हैं। वहीं बंगाल में ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट पर हार और सिक्किम में पवन कुमार चामलिंग की पूर्व में पराजय यह साबित करती हैं कि चेहरा कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह काम और व्यवहार का विकल्प नहीं हो सकता। कर्नाटक में सिद्दरमैया की चामुंडेश्वरी में हार भी इसी अहंकार की बलि चढ़ने का उदाहरण थी।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

नियमितता के साथ बैठने से हम ध्यानाभ्यास में अधिक माहिर होते जाएँगे।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

आर्थिक महाशक्तियों को बाकी दुनिया की कोई फिक्र नहीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे से यह उम्मीद की जा रही थी कि पश्चिम एशिया में संघर्ष का कोई हल निकलेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर गहरा रहे संकट से राहत मिलेगी। मगर दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई वार्ता के नतीजों से यह साफ है कि विश्व की आर्थिक महाशक्तियों को बाकी दुनिया की कोई फिक्र नहीं है।

खबरों के मुताबिक, बैठक द्विपक्षीय मसलों पर ही केंद्रित रही और ट्रंप ने इसे 'जी-2' देशों का सम्मेलन बताया, जिसमें दोनों देशों के बीच कई व्यापारिक समझौते हुए। सवाल है कि खुद को दुनिया के सबसे ताकतवर बताने वाले देशों की क्या वैश्विक समुदाय के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है, क्या उनकी यह ताकत सिर्फ निहित स्वार्थों तक ही सीमित है?

पिछले कुछ वर्षों से विश्व के आर्थिक हितों को देखने के अमेरिका के नजरिए में बदलाव साफ नजर आ रहा है। अब यह साझा उदार मूल्यों पर नहीं, बल्कि महाशक्तियों के प्रभाव क्षेत्रों पर केंद्रित होता दिख रहा है। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि अमेरिका और चीन परस्पर सहयोग कर सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनके बीच तालमेल संभव हो सका, तो वह किस तरह की वैश्विक व्यवस्था तैयार करेगा।

दो देशों का समूह यानी 'जी-2' शब्द वर्ष 2005 में अमेरिका के एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने गढ़ा था। उनका विचार था कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच मजबूत साझेदारी होनी चाहिए। इस विचार का उद्देश्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह 'जी-20' को और मजबूत करना था। तब वैश्विक वित्तीय संकट से निपटने के लिए 'जी-20' की रणनीति के तहत अमेरिका ने शुरुआती दौर में 787 अरब डालर, जबकि चीन ने 586 अरब डालर का प्रोत्साहन पैकेज दिया था। इससे दुनिया को बड़े आर्थिक संकट से बचाने में मदद मिली।

मगर पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे वैश्विक संकट के बीच हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता में वैश्विक चिंताओं के बजाय परस्पर हितों की एक नई तस्वीर उभरकर सामने आई है। दोनों देशों के बीच बोइंग विमानों की खरीद समेत कई अहम व्यापारिक समझौते हुए हैं। यानी अब अमेरिका-चीन सहयोग का मतलब यह नहीं है कि उससे दुनिया के बाकी देशों के लिए सकारात्मक माहौल बनेगा, बल्कि यह एक ऐसे निजी समझौते की तरह दिखाई देता है, जिसमें दो महाशक्तियां सिर्फ अपने हित साध रही हैं।

गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समेत कई आवश्यक वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है। अमेरिका और ईरान के अड़ियल रवैये की वजह से शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसका असर तमाम देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इसमें दोराय नहीं कि शांति वार्ता के लिए एक प्रभावी मध्यस्थ की जरूरत है और चीन इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। मगर अमेरिका और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात में इस मसले को तवज्जो नहीं देने को किस रूप में देखा जाएगा।

खबरों के मुताबिक, इस दौरान ताइवान का मसला जरूर उठा और इस पर चीन ने अमेरिका को चेताते हुए कहा कि यदि इस मुद्दे को सही ढंग से नहीं संभाला गया, तो दोनों देशों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। इससे स्पष्ट है कि इन दोनों महाशक्तियों के लिए वैश्विक संकट के बीच भी सिर्फ अपने व्यापारिक, रणनीतिक और भू-राजनीतिक हित ही सर्वोपरि हैं।

ये है दुनिया का सबसे महंगा पेन

पेन जैसी छोटी सी चीज भी अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से लैस हो तो उसकी कीमत आसमान छू सकती है.

जरा हट के

दुनिया का सबसे चर्चित और महंगा पेन फिशर स्पेस पेन है, जिसे खास तौर पर अंतरिक्ष में इस्तेमाल के लिए बनाया गया था. यह पेन जीरो ग्रेविटी में भी बिना किसी समस्या के लिख सकता है.

नासा के अंतरिक्ष यात्री आज भी मिशनों के दौरान इसका इस्तेमाल करते हैं. सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है और लोग इसकी कीमत और टेक्नोलॉजी जानकर दंग रह जा रहे हैं. आइये आपको बताते हैं इस पेन की खासियत.

ऐसे हुआ अविष्कार

साल 1960 के दशक में अमेरिकी इन्वेंटर पॉल फिशर ने इस पेन को तैयार किया था. उस समय नासा को एक ऐसे पेन की जरूरत थी जो स्पेस में काम कर

सके. आम पेन स्पेस में नहीं लिख पाते क्योंकि वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होता और स्याही नीचे नहीं गिरती. फिशर ने सालों की रिसर्च के बाद प्रेशराइज्ड इंक कार्ट्रिज टेक्नोलॉजी विकसित की. इसमें नाइट्रोजन गैस का दबाव इस्तेमाल होता है जो किसी भी स्थिति में स्याही को बाहर निकालता है. यह पेन -34 डिग्री सेल्सियस से लेकर +121 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में काम करता है. पानी के नीचे, उल्टा लिखते हुए, तेल में या बर्फ पर भी यह आसानी से लिख सकता है. एक कार्ट्रिज से यह पेन लगभग 50 किलोमीटर तक लिख सकता है. यही वजह है कि इसे दुनिया का सबसे यूनिक और भरोसेमंद पेन माना जाता है. नासा ने इसे अपोलो मिशन से लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक इस्तेमाल किया था. दिलचस्प बात यह है कि रूस के सोवियत स्पेस प्रोग्राम ने भी बाद में इसी पेन को अपनाया.

पहले की अफवाह थी कि नासा ने इस पेन पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन असल में फिशर ने खुद अपना पैसा लगाकर इसे बनाया और नासा को बहुत कम कीमत पर बेचा था. आज मार्केट में फिशर स्पेस पेन के नॉर्मल वर्जन कुछ हजार रुपये में मिल जाते हैं, लेकिन इसके स्पेशल, लिमिटेड एडिशन और ऑथेंटिक स्पेस-यूज्ड वर्जन लाखों रुपये में बिकते हैं. कुछ दुर्लभ पेन नीलामी में करोड़ों तक पहुंच जाते हैं.

पिंक सॉस पास्ता

खाना-खजाना

सामग्री :

- 1 कप पास्ता पेनी
- 1 पीली शिमला मिर्च
- नमक आवश्यकतानुसार
- 1 1/2 बड़ा चम्मच मैदा
- 1 चम्मच अजवायन
- 2 पनीर के टुकड़े
- 1 बड़ा चम्मच वनस्पति तेल
- 1 बड़ा प्याज
- 1 कप टमाटर प्यूरी
- आवश्यकतानुसार काली मिर्च
- 1 कप दूध
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 2 बड़े चम्मच मक्खन
- 2 बड़े चम्मच टमाटर केचप

विधि :

एक बर्तन में पास्ता डालें। आवश्यकतानुसार पानी और नमक डालकर मध्यम आंच पर रखें। पास्ता को 10-12 मिनट तक या पक जाने तक पकने दें। पक जाने पर, पानी निकाल दें और पास्ता को तुरंत ठंडे पानी डालें। इसी बीच एक पैन में एक बड़ा चम्मच तेल गर्म करें। इसमें कटा हुआ प्याज और शिमला मिर्च डालें। दो मिनट तक भूनें। अब इसमें टमाटर की प्यूरी, नमक डालें और अच्छी तरह मिला

लें। पैन को ढककर 4-5 मिनिट तक पकने दीजिए। अब इसमें टमाटर केचप और लाल मिर्च पाउडर डालें। अच्छी तरह मिलाएं और एक तरफ रख दें। अब एक अलग पैन में मक्खन गर्म करें। इसे पिघलने दीजिए और इसमें मैदा डाल दीजिए। अच्छे से मिलाएं और मिश्रण को तब तक भूनते रहें जब तक उसका रंग सुनहरा न हो जाए। अब इसमें आधा कप दूध डालें और लगातार चलाते रहें। एक मिनट तक पकाएं। अब बचा हुआ दूध डालें और किसी भी गांठ से छुटकारा पाने के लिए व्हिस्कर या कांटे से मिलाएं। अंत में, नमक, अजवायन डालें और सॉस को एक तरफ रख दें।

अब सफेद सॉस को लाल सॉस पैन में डालें और दोनों सॉस को एक साथ मिला लें। पके हुए पास्ता को पैन में डालें और धीरे-धीरे मिलाएं ताकि यह सॉस में अच्छी तरह से लिपट जाए। अंत में, कसे हुआ चीज से गार्निश करें और स्वादिष्ट पास्ता का आनंद लें।

आज का राशिफल

मेष : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है। परिवार की चिंता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

वृषभ : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन : परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें, लाभ होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे।

सिंह : धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा। कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। प्रमाद न करें।

तुला : व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा। कार्य समय पर पूर्ण होंगे। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है।

धनु : भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर : विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। जोखिम न उठाएं।

कुंभ : किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा। भागदौड़ रहेगी। आय होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी से चोट लग सकती है। शोक समाचार मिल सकता है।

मीन : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मलमास में क्या-क्या नहीं खाना चाहिए?

मलमास को अधिक मास या पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं. 17 मई 2026 यानी कल से मलमास शुरू हो चुका है, जो 15 जून 2026 तक रहेगा. मलमास के दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं. इस दौरान मुंडन, गृह प्रवेश, शादी-ब्याह आदि शुभ कार्यों को करने पर रोक होती है. इस दौरान विष्णु भगवान की लोग पूजा-आराधना करते हैं. तुलसी पूजा का भी विशेष महत्व होता है. दान-पुण्य करने के लिए इसे शुभ माना जाता है. हिंदू पचांग के अनुसार, इस वर्ष मलमास को अधिक मास या अधिक ज्येष्ठ मास कहा जा रहा है, इसलिए इस साल दो ज्येष्ठ महीने होंगे. धार्मिक महत्व के अनुसार, अधिक ज्येष्ठ मास होने के कारण इस वर्ष 12 महीने की बजाय 13 महीने होंगे.

हिंदू पंचांग के अनुसार, मलमास यानी अधिक मास. यह प्रत्येक 32-33 महीने में आने वाला एक अतिरिक्त 13वां महीना है. इसे सौर और चंद्र कैलेंडर के बीच बैलेंस बनाने के लिए जोड़ा जाता है. दरअसल, चंद्र वर्ष 354 दिनों का होता है और सौर वर्ष 365 दिनों का. इस तरह से हर साल 11 दिनों का अंतर आ जाता है. यही फर्क तीन साल में एक महीने के बराबर होता है, इसलिए इसे अधिक मास कहा जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, विष्णु भगवान ने इस महीने को अपना नाम दिया है पुरुषोत्तम, इसलिए इसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है. मलमास में भगवान विष्णु की पूजा करने से सुख-समृद्धि आती है. परेशानियां दूर होती हैं. सासांरिक कार्यों को करने की बजाय इस समय को आध्यात्मिक साधना, आत्म-शुद्धि करने में लगाना चाहिए. साथ ही दान, पुण्य, जप, ध्यान, विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ, कथा आदि में मन लगाना चाहिए.

मलमास में क्या नहीं खाना चाहिए?

मलमास में मुख्य रूप से सात्त्विक जीवन, संयम और पूजा-पाठ पर अधिक ध्यान देना चाहिए. खानपान में निम्न चीजों के सेवन से परहेज करना फायदेमंद साबित हो सकता है.

- मांसाहार जैसे मांस, मछली, अंडा आदि का सेवन वर्जित माना गया है.
- शराब और नशीली चीजों के सेवन से भी बचना चाहिए वरना अशुभ होगा.
- लहसुन-प्याज (कई लोग पूरे महीने छोड़ देते हैं) करने की मनाही होती है.
- बहुत ज्यादा तामसिक और मसालेदार भोजन करने से बचना चाहिए.
- बासी भोजन भी नहीं करना चाहिए, बल्कि घर का बना ताजा खाना खाएं.
- कुछ लोग बाहर का जंक फूड और तला-भुना भी नहीं खाते हैं.
- काफी विष्णु भक्त एक समय ही भोजन करते हैं. फलाहार या व्रत रखते हैं.
- कुछ परंपराओं के अनुसार, दालें,अनाज छोड़ने का नियम भी है, लेकिन यह लोगों के अपने परिवार की परंपरा, क्षेत्र पर भी निर्भर करता है.

मलमास में क्या खाना चाहिए?

आप अधिक मास यानी मलमास में शुद्ध और सात्विक भोजन करें. मौसमी फल, दूध, दही, लौकी, धनिया, मिर्च, सेंधा नमक, जीरा, गेहूं, जौ, चना, मूंग, तिल, मूंगफली का सेवन कर सकते हैं. इस दौरान पालक, बैंगन, भिंडी खाना वर्जित माना गया है.

मलमास में क्या करना वर्जित माना जाता है?

परंपरागत मान्यताओं के अनुसार, मलमास में निम्न मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं:

- शादी-ब्याह, सगाई
- मुंडन, जनेऊ जैसे संस्कार
- बड़ी खरीदारी या शुभ कार्य
- गृह प्रवेश
- नया व्यापार/दुकान शुभ मुहूर्त में शुरू करना

कई बीमारियों की चाबी है चेरी

फलों का महत्व प्राचीन समय से ही चला आ रहा है, उन्हीं में एक फल है चेरी. जो स्वादिष्ट और गुणों से भरपूर फल माना जाता है. इसका रंग काफी आकर्षक होता है और मीठा स्वाद लोगों को खूब पसंद आता है, वहीं स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह काफी लाभकारी होती है. चेरी में बहुत सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं. इस, में विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है. इसमें मौजूद विटामिन-सी, विटामिन-ए, पोटैशियम, आयरन और मैग्नीशियम शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ त्वचा की चमक और पाचन बेहतर बनाता है.

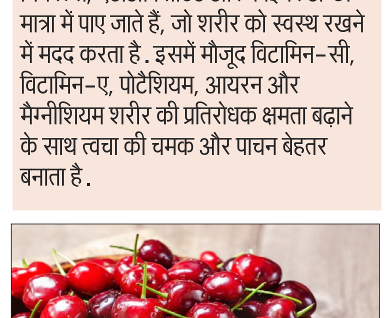

इन बीमारियों में है रामबाण

फिजीशियन डॉ. एस बी सिंह बताते हैं कि चेरी का सेवन हृदय रोग के खतरे को कम करने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पाए जाने वाले एंथोसाइनिन और फ्लेवोनोइड्स खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाकर दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसमें मौजूद पोटैशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है. चेरी खाने से ब्लड शुगर लेवल भी संतुलित रहता है, इसलिए यह मधुमेह रोगियों के लिए भी लाभकारी मानी जाती है.

इसमें मिलती है राहत

चेरी का एक और बड़ा फायदा यह है कि यह नींद से जुड़ी समस्याओं में राहत देती है. दरअसल, चेरी में मेलाटोनिन पाया जाता है, जो नींद के चक्र को नियंत्रित करता है और अच्छी नींद लाने में मदद करता है. यही कारण है कि इसे रात के खाने के बाद और सोने से कुछ समय पहले सेवन करने की सलाह देते हैं.इसके अलावा चेरी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण गठिया और जोड़ों के दर्द में भी राहत पहुंचाते हैं.

ऐसे करें सेवन

अगर बात करें सेवन के तरीके की, तो चेरी को सुबह खाली पेट खाना सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. इसे सीधे फल के रूप में खाया जा सकता है या फिर सलाद, स्मूदी और जूस में भी शामिल किया जा सकता है. दिन में 8 से 10 चेरी खाना पर्याप्त होता है.हालांकि, जिन लोगों को पेट से जुड़ी दिक्कतें रहती हैं, उन्हें इसे अधिक मात्रा में खाने से बचना चाहिए.

गर्मी में अमृत है खरबूजा

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक और दिनभर तरोताजा रखने के लिए खरबूजा खाना बेहद फायदेमंद माना जाता है. खासतौर पर सुबह के समय इसका सेवन शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है. वहीं अगर आप इसे दोपहर में खाते हैं, तो यह शरीर को ज्यादा ऊर्जा देने का काम करता है और तेज गर्मी से राहत दिलाने में भी मददगार साबित होता है. गांवों में पुराने समय से ही खेतों में काम करने वाले लोग खरबूजा खाते रहे हैं. माना जाता है कि यह शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता और लंबे समय तक ठंडक बनाए रखता है. गर्म हवाओं और तेज धूप के बीच खरबूजा शरीर को तरोताजा रखने वाला प्राकृतिक फल माना जाता है.

मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर में कार्यरत आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बातचीत में बताया कि खरबूजा एक प्राकृतिक फल है, जो गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करता है. तेज धूप और ज्यादा पसीना निकलने की वजह से इस मौसम में शरीर में जल्दी थकावट महसूस होने लगती है और लू लगने का खतरा भी बढ़ जाता है. ऐसे में खरबूजा शरीर को हाइड्रेट रखने और गर्मी से राहत दिलाने के लिए एक बेहतर उपाय माना जाता है.

डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव आगे बताते हैं कि खरबूजा पाचन के लिए भी बेहद लाभकारी माना जाता है, क्योंकि इसमें पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है. फाइबर पेट को साफ रखने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है. गर्मियों में लोग अक्सर भारी और तला-भुना भोजन खा लेते हैं, जिससे कब्ज और गैस जैसी समस्याएं होने लगती हैं. ऐसे समय में खरबूजा पेट को हल्का और ठंडा बनाए रखने में मदद करता है, जिससे शरीर को आराम महसूस होता है.

खरबूजा खाने से भोजन जल्दी पचने में मदद मिलती है और पेट में होने वाली जलन भी कम होती है. अगर इसे सुबह खाली पेट सीमित मात्रा में खाया जाए, तो पेट साफ रहता है और पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है. हालांकि, खरबूजा खाने के तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए. ऐसा करने से पेट खराब हो सकता है और लूज मोशन जैसी समस्या भी हो सकती है. इसलिए इसे खाने के कुछ समय बाद ही पानी पीना बेहतर माना जाता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

प्रयागराज के होटल में लगी भीषण आग

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज के होटल में भीषण आग लग गई। घटना के दौरान होटल में कई लोग फंसे थे। आग की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने होटल में फंसे करीब 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि ट्रांसफार्मर में ब्लास्ट होने के काण होटल में आग लगी। हालांकि समय रहते आग को बुझा लिया गया है।

पत्नी के भागने की रिपोर्ट करवाने गया पति पुलिस के सवालों में उलझा, खोला हत्या का राज

लखनऊ. यूपी के लखनऊ में चिनहट के पुराना पोस्ट ऑफिस इलाके में सब्जी विक्रेता अल्ताब उर्फ कल्लू ने प्रेम प्रसंग के शक में बुधवार देर रात पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। गुरुवार तड़के शव ट्रॉली बैग में भरकर ई-रिक्शा पर लादा और इंदिरा नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। दोपहर में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंच गया। वहां पुलिस के सवालों में फंस गया और हत्या कर शव ठिकाने लगाने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर झाड़ियों से शव बरामद कर लिया।

ससुरालियों को नशीला हलुआ खिलाकर लुटेरी दुल्हन गहने लेकर फरार

ललितपुर. ललितपुर के थाना बार क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत मरौंली में शादी के दो दिन बाद ही एक लुटेरी दुल्हन ससुरालियों को हलुआ में नशीला पदार्थ खिला जेवरात और नगदी लेकर साथियों के साथ रफू चक्कर हो गयी। सुबह नींद से जागे परिजनों ने घटना की जानकारी होते ही बार थाना पुलिस को आरोपित के खिलाफ कार्रवाई के लिए तहरीर सौंपी। बार थाना पुलिस को सौंपी तहरीर में ग्राम मरौंली निवासी रहीश पुत्र खिलन सिंह ने बताया कि विगत 11 मई 2026 को उसकी कोर्ट मैरिज शादी ग्राम जाफरानपुर चंदौली निवासी रागिनी पुत्री लल्लू सोनकर के साथ हिंदू वैदिक रिवाज से हुई थी। यह शादी ग्राम मिदरवाहा थाना कोतवाली महरौनी निवासी साहब सिंह पुत्र शिवराज सिंह ने कराई थी। विवाह कराने के एवज में उसने पैसे भी लिए थे।

कॉलेज के गेट से 12वीं की छात्रा को ले गया; होटल में रेप, नशे की हालत में छोड़ा

सहारनपुर. सहारनपुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में 12वीं की नाबालिग छात्रा को करीब दो घंटे तक बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पीड़िता को आरोपी बहला फुसलाकर एक होटल में ले गया और नशीला पदार्थ देकर घिनौनी वारदात को अंजाम दिया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव निवासी ने बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी शहर के एक इंटर कॉलेज में कक्षा 12 की छात्रा है और पढ़ाई के लिए 24 अप्रैल को अपनी बहन को दूसरे स्कूल छोड़कर अपने कॉलेज के गेट पर पहुंची तो आरोपी उसको बहला-फुसलाकर शादी निकाह करने की बात कहकर अपने होटल के पास बने कमरे में ले गया।

हर महिला को 3000 रुपये; फ्री बस यात्रा की मंजूरी

- ऐक्शन में शुभेंदु सरकार
- दूसरी कैबिनेट में और क्या-क्या फैसले?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई में बनी नई भाजपा सरकार ऐक्शन में दिख रही है। सत्ता संभालने के बाद शुभेंदु कैबिनेट की हुई दूसरी मीटिंग में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई है। इनमें सबसे अहम राज्य में 'अन्नपूर्णा योजना' को मंजूरी है, जिसके तहत हरेक महिला को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में अगले महीने यानी 1 जून से महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ़्त सफर करने की इजाज़त देने के फैसले पर भी मुहर लगाई गई है।

कैबिनेट मीटिंग के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य सरकार की मंत्री अग्निमित्र पॉल ने कहा कि जिन महिलाओं ने CAA के तहत नागरिकता के लिए अप्लाई किया था और वोटर रोल में नाम दर्ज कराने के लिए ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था, उन्हें भी 'अन्नपूर्णा' स्कीम का फायदा मिलेगा।

एक जून से फ्री बस सफर

उन्होंने कहा, ₹कैबिनेट ने 1 जून से महिलाओं को 3,000 रुपये हर महीने आर्थिक मदद देने वाली 'अन्नपूर्णा' स्कीम को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 1 जून से सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ़्त सफर करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।₹ उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों, और संबंधित कानूनी सिविक बॉडीज, एजुकेशन बोर्ड और सरकारी एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए 7वें वेतन आयोग के गठन को भी मंजूरी दे दी है।

कोलकाता में पुलिस पर पथराव, 3 जवान घायल

- 40 गिरफ्तार
- अतिक्रमण हटाने के विरोध में प्रदर्शन
- CM सुवेंदु बोले- पुलिसवालों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे

कोलकाता. कोलकाता में रविवार को पार्क सर्कस इलाके में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस पर पथराव भी हुआ, जिसमें 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। सुरक्षाबलों की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई।

बंगाल के CM सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि मामले में अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिसवालों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे। कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

दरअसल पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास बड़ी संख्या में लोग एंटी-एन्क्रोचमेंट ड्राइव के विरोध में जुटे थे। उन्होंने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस जब भीड़ को हटाने पहुंची, तो पथराव शुरू हो गया।

कोलकाता के तिलजला इलाके में पिछले हफ्ते एक फैक्ट्री में आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद प्रशासन ने इलाके में अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। पार्क सर्कस में जुटे लोग इसी का विरोध कर रहे थे।

मुसलमानों में बढ़ रही बेचैनी...

- क्यों बोले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में शुभेंदु आधिकारी सरकार द्वारा पशु वध अधिनियम के सख्ती से पालन के निर्देश जारी करने के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। एक ओर मौलवियों की ओर से मुस्लिम समुदाय को सलाह दिए जा रहे हैं, वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बहरामपुर से पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। अधीर रंजन चौधरी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपने गृह जिले मुर्शिदाबाद (मुस्लिम बहुल क्षेत्र) में इन दिशा-निर्देशों से उत्पन्न बेचैनी को दूर करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नोटिस जारी होने के बाद स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय में खलबली मच गई है।

अधीर रंजन चौधरी ने सुझाव दिया कि विभिन्न समुदायों को बिना किसी संदेह या परेशानी के अपने धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करने की अनुमति मिले, इसके लिए जिला प्रशासन को मुर्शिदाबाद जैसे संवेदनशील जिलों में पशु वध के लिए विशिष्ट स्थानों की पहचान और सीमांकन करना चाहिए। इन चिह्नित स्थानों का उपयोग केवल पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के लिए ही हो।

योगी बोले- सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देंगे

- प्यार से मानेंगे तो ठीक, नहीं तो दूसरा तरीका अपनाएंगे
- बकरीद से एक हफ्ते पहले चेतावनी

लखनऊ. यूपी में बकरीद से एक हफ्ते पहले सड़कों पर नमाज को लेकर सीएम योगी ने चेतावनी दी है। लखनऊ में सोमवार को एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा- सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने दी जाएगी। प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। योगी ने कहा- नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे। सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं।

उन्होंने कहा- लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या यूपी में सड़कों पर नमाज होती है? मैं कहता हूं- कतई नहीं। सड़कें आम लोगों के चलने के लिए हैं। कोई भी आकर ट्रैफिक डिस्टर्ब करे, यह अधिकार किसी को नहीं है।

उन लोगों ने मुझसे कहा कि साहब कैसे होगा, हमारी संख्या ज्यादा है। हमने कहा- तुम्हारे घर में रहने की जगह नहीं है तो संख्या कंट्रोल कर लो। सामर्थ्य नहीं है तो क्यों बेकार में संख्या बढ़ाई जा रही है। सभी को सिस्टम से रहना होगा। सभी को कानून का राज मानना होगा।

बरेली में लोगों ने हाथ आजमाया था, ताकत भी देख ली

सीएम योगी ने बरेली में हुए बवाल का भी जिक्र किया। कहा- बरेली में लोगों ने हाथ आजमाया था, ताकत भी देख ली। कानून सभी के लिए बराबर है। किसी को भी सड़क जाम करने या अव्यवस्था फैलाने की छूट नहीं दी जाएगी। दरअसल, यूपी में सितंबर 2025 में आई लव मोहम्मद को लेकर विवाद हुआ था। बरेली में मुस्लिम नेता मौलाना तौकीर रजा ने नमाज के बाद धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया। पुलिस ने रोका तो पथराव हो गया। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था।

PM मोदी का यूरोप में बड़ा ऐलान!

- भारत में निवेश के लिए दुनिया को दिया खुला न्योता

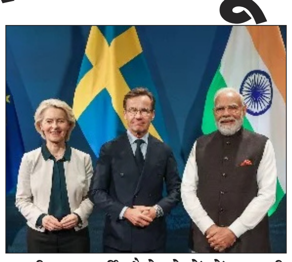

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मंच पर भारत की धमक एक बार फिर साबित की है। स्वीडन की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने यूरोपीय कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' इस समय पूरी रफ्तार से दौड़ रही है। गोटेबर्ग में आयोजित 'यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री' (ERT) की एक उच्च स्तरीय बैठक में पीएम मोदी ने स्वीडिश और यूरोपीय कंपनियों को भारत के मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन हाइड्रोजन और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

इस खास बैठक की सह-मेजबानी स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने की, जिसमें वोल्वो ग्रुप (Volvo Group) समेत यूरोप और भारत की कई दिग्गज कंपनियों के प्रमुख शामिल हुए।

5 बड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान

- प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय कंपनियों के सामने सहयोग के लिए 5 बड़े सेक्टर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि टेलीकॉम और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं, जो भारत को वैश्विक रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) हब बनाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा उन्होंने निम्नलिखित प्रमुख सेक्टर्स में पार्टनरशिप की डिमांड की।
- डीप टेक और एआई (AI) :- इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग।
- ग्रीन और क्लीन एनर्जी :- नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और सस्टेनेबल मोबिलिटी।
- इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर :- शहरी परिवर्तन, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, डिफेंस, सेमीकंडक्टर और लाइफ साइंसेज (दवाइयां और स्वास्थ्य)।
- पीएम मोदी ने कंपनियों को भरोसा दिलाया कि आने वाले सालों में भारत के फ्लैगशिप प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के लिए उनके लिए एक मजबूत और संस्थागत व्यवस्था तैयार की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीकी नवाचार की अगली लहर का सह-निर्माण अब भारत में होना चाहिए।

रजनीकांत बोले-विजय मुझसे 25 साल जूनियर, मैं उनसे नहीं जलता

रजनीकांत ने कहा कि यह सही है कि मैं चुनाव नतीजों के बाद पूर्व सीएम स्टालिन से मिला लेकिन मैं ऐसा आदमी नहीं जो राजनीति के लिए किसी भी स्तर तक गिर जाऊं। मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि हमारी दोस्ती राजनीति के परे है।

तमिल सुपरस्टार ने आगे कहा कि स्टालिन पिछले 3 दशक से मेरे दोस्त हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि मैं विजय से जलता हूं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। वो मुझसे 25 साल जूनियर हैं। अगर मैंने 2021 में चुनाव लड़ा होता तो जीत जाता।

दरअसल, 4 मई को तमिलनाडु चुनाव नतीजों के बाद रजनीकांत ने डीएमके नेता स्टालिन के घर जाकर उनसे मुलाकात की थी।

वीडी सतीशन केरलम CM बने

64 साल बाद राज्य में किसी मुख्यमंत्री ने पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली

- राहुल-प्रियंका मौजूद रहे

तिरुवनंतपुरम. कांग्रेस नेता वीडी सतीशन सोमवार को केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनके अलावा पूरी कैबिनेट (20 मंत्रियों) को शपथ दिलाई।

ऐसा 64 साल के बाद हुआ। इससे पहले राज्य के तीसरे कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे आर शंकर ने 1962 में पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली थी, लेकिन 1964 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद उनकी सरकार गिर गई थी।

कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पी विजयन, बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर समेत सभी कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कैबिनेट में 14 नए चेहरे

केरलम की कैबिनेट में 14 विधायकों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। इसमें सीपी जॉन और एन शमसुद्दीन, केएम शाजी, पीके बशीर और वीई अब्दुल गफ़ूर, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनीश शामिल हैं।

कांग्रेस ने स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद भी अपने पास रखे हैं। तिरुवनचूर राधाकृष्णन को विधानसभा स्पीकर और शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है।

केरलम विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण के बाद 22 मई को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्यपाल का नीतिगत संबोधन 29 मई को निर्धारित है, और राज्य का बजट 5 जून तक पेश किए जाने की संभावना है।

यूपी में टीचर-इंजीनियर समेत 10 की मौत

- ट्रक ने मैजिक को टक्कर मारी
- कई लोग सीट के बीच में ही फंस गए

लखीमपुर खीरी. लखीमपुर खीरी में सोमवार सुबह 7.30 बजे मैजिक वाहन और ट्रक की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। ये सभी मैजिक वाहन में सवार थे। 9 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में सरकारी टीचर और इंजीनियर भी शामिल हैं।

हादसा जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर अदलीसपुर गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मैजिक वाहन लखीमपुर से सिसैया की तरफ से जा रहा था। इसे बहराइच से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मारी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि मैजिक में बैठे लोगों के सिर फट गए। लोग सीट के बीच में ही फंस गए। दो लोग उछलकर बाहर रोड पर गिरे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। मृतकों के परिजनों का 2-2 लाख की आर्थिक मदद का ऐलान किया है।

पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया, घायल जिला अस्पताल रेफर

खमरिया के सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने बताया- ट्रक (UP 14 HT 5176) बरेली के नगला फरीदपुर निवासी शेर सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है। शेर सिंह ट्रक के दूसरे ओनर हैं। ट्रक पर गाजियाबाद की नंबर प्लेट है। ट्रक में धान की पॉलिश की बोरियां लदी हुई हैं। ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

वहीं, सीएचसी खमरिया के अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने बताया- हादसे के बाद 2 महिलाओं और 7 पुरुषों के शव यहां लाए गए थे। कई बॉडी बुरी तरह कुचल गई थी। एक गंभीर घायल पुरुष को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। हादसे के प्रत्यक्षदर्शी नया गांव के प्रधान प्रदीप वर्मा ने बताया- मैजिक की हालत देखकर लग रहा है कि चालक ने ओवरटेक किया होगा। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से जा टकराया।

CM शुभेंदु के पीए की हत्या में बड़ी सफलता

- यूपी से एक और आरोपी गिरफ्तार, दिल्ली ले गई सीबीआई

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक की हत्या में एक और सफलता मिली है। सीबीआई टीम ने मुजफ्फरनगर की पुलिस के साथ मिलकर पीए की हत्या के आरोपी को दिल्ली-दून हाईवे स्थित छपार टोल प्लाजा से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार के दौरान आरोपी, अपने परिवार के साथ हरिद्वार से लौट रहा था। सीबीआई ने पुलिस सुरक्षा में उसे मुजफ्फरनगर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया। यूपी और बिहार से अब तक चार आरोपियों को पकड़ा जा चुका है।

अदालत से ट्रांजिट रिमांड मिलने पर टीम उसे अपने साथ लेकर दिल्ली चली गई। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद छह मई को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बाद में इस मामले की जांच सीबीआई को ट्रांसफर कर दी गई थी। इस मामले में सीबीआई टीम मयंक राज मिश्रा, विक्की मौर्य और राज सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

धोनी NSG कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे, मशीनगन चलाई

- पिस्टल से निशाना भी लगाया
- कमांडोज से पूछा- फिट लग रहा हूं न

पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी IPL के बीच रविवार को चेन्नई में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स (NSG) के रीजनल हब पहुंचे। यहां उन्होंने सब-मशीनगन (छोटी मशीनगन) चलाई। साथ ही पिस्टल से भी निशाना लगाया।

44 साल के धोनी ने यहां कमांडोज और उनके परिवारों के साथ समय बिताया। उनके साथ खाना खाया। उन्होंने कमांडोज से पूछा- 'फिट लग रहा हूं न।' इस पर जवानों ने सहमति देते हुए कहा- 'पिछली बार जब आए थे, तब इससे भी फिट थे।' तब धोनी ने कहा- 'जैसे-जैसे टाइम बढ़ता है, मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है।' वे 2023 में NSG कैंप में शामिल हो चुके हैं।

धोनी चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। हालांकि, वे काफ स्ट्रेन (पिंडली की चोट) के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। आज CSK चेन्नई में अपना आखिरी मैच खेलेगी।

- टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं धोनी

एमएस धोनी टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। वे पैराशूट रेजीमेंट की 106 पैरा टेरिटोरियल आर्मी बटालियन का हिस्सा हैं। उन्होंने कश्मीर में भारतीय सेना के साथ दो हफ्ते की ट्रेनिंग भी की। बाद में उनका बूट पॉलिश करते हुए फोटो भी सामने आया था।

सासाराम में ट्रेन की बोगी में लगी आग

- आनन-फानन में यात्रियों को बाहर निकाला गया
- 20 कर्मचारियों की मदद से पाया काबू

सासाराम. सासाराम में सासाराम-आरा-पटना पैसेंजर (ट्रेन नंबर 53212) में सोमवार को अचानक आग लग गई। आग ट्रेन की जनरल बोगी D3 में लगी थी। इसके बाद बोगी से धुआं और लपटें उठने लगीं।

घटना के समय ट्रेन 6 नंबर प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी। आग लगते ही यात्रियों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए जल्दबाजी में ट्रेन से उतरने लगे। कई यात्री अपना सामान छोड़कर प्लेटफॉर्म की ओर भागे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले कोच के अंदर से तेज जलने की गंध महसूस हुई। इसके बाद बोगी के भीतर धुआं भरने लगा और आग की लपटें दिखाई दीं।

कल यानी रविवार को त्रिवेंद्रम से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) जा रही राजधानी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12431) में आग लगी थी। आग ट्रेनएसी कोच बी-1 में आलोट के पास लूणी रीछा-विक्रमगढ़ स्टेशन के बीच सुबह करीब 5:15 बजे लगी थी।

- ट्रेन सुबह 6.45 से सासाराम से खुलने वाली थी। बोगी में आग ट्रेन खुलने से पहले लग गई थी। इस दौरान यात्री ट्रेन में बैठे हुए थे।
- घटना की जानकारी तुरंत रेलवे कर्मियों की दो गई। आरपीएफ और दमकल विभाग की टीम पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया गया।
- सभी यात्रियों को बोगी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जिस बोगी में आग लगी थी, उसे ट्रेन से अलग कर दिया गया है।

जलसंपदा विभाग, शासन निर्णय क्रमांक निविदा 0417/प्र.क्र.247/17/मोप्र-1/दि.18/10/2023 चे प्रपत्र

मृद व जलसंधारण विभाग
जिल्हा जलसंधारण अधिकारी
मृद व जलसंधारण विभाग, कळवा, ठाणे, यांचे कार्यालय
कडा वसाहत, सहकार विद्यालयासमोर, जुना मुंबई पुणे रोड, कळवा (प)
दूरध्वनी क्रमांक - 022-25428127 ई मेल eemilsdnt@gmail.com

ई-निविदा सुचना क्र.ब-1/01/ सन 2026-27

जिल्हा जलसंधारण अधिकारी, मृद व जलसंधारण विभाग, कळवा-ठाणे, मृद व जलसंधारण विभाग, महाराष्ट्र शासन हे सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून खालील कामांकरीता ब-1 नमुन्यातील निविदा सीलबंद लिफाफ्यात मागवित आहेत. निविदा कागदपत्रे शासनाचे संकेतस्थळ http://www.mahatenders.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यात यावीत. निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार जिल्हा जलसंधारण अधिकारी, मृद व जलसंधारण विभाग, कळवा-ठाणे यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

कामाचे नांव : पोटगांव मसले बेलपाडा 2, घोरले मसले बेलपाडा 3, मढ 3 व खानिवरे 2, ता. मुरबाड, जि.ठाणे येथे सिमेंट कॉक्रीट बंधारा बांधणे.

निविदेची अंदाजित किंमत :- 1) रु.212.89 लक्ष
ई-निविदा उपलब्ध कालावधी :- दिनांक : 19/05/2026 ते दिनांक 26/05/2026
ई-निविदा भरण्याचा कालावधी :- दिनांक : 19/05/2026 ते दिनांक 27/05/2026
ई-निविदा उघडणे :- दिनांक : 29/05/2026 (शक्य झाल्यास)
खालील ठिकाणी ई-निविदा बाबतची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.

1. संकेतस्थळ http://mahatenders.gov.in
(सदर निविदा सुचना मध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईटवर कळविण्यात येईल)
2. संकेतस्थळ जाहिरातीची माहिती http://www.cemilspn.in
3. जिल्हा जलसंधारण अधिकारी, मृद व जलसंधारण विभाग, ठाणे यांचे कार्यालयातील सुचना फलकावर.

जा.क्र. जिजअ/मृववि/ठाणे/लेशा-2/1898/2026
दिनांक :- 11.05.2026
कार्यालय, जिल्हा जलसंधारण अधिकारी
मृद व जलसंधारण विभाग, कळवा-ठाणे

सही/-
(फरीद खान)
जिल्हा जलसंधारण अधिकारी
मृद व जलसंधारण विभाग
कळवा-ठाणे

संक्षेप...

विदेशी मुद्रा बदलने के नाम पर 2 लाख की ठगी

नवी मुंबई. नवी मुंबई में अमेरिकी डॉलर बदलने के नाम पर धोखाधड़ी कर तीन लोगों ने कथित तौर पर 35 वर्षीय व्यक्ति से दो लाख रुपये ठग लिए.

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों में से एक ने ठाणे जिले के डोंबिवली निवासी पीड़ित से संपर्क किया था और दावा किया कि उसका रिश्तेदार कुछ अमेरिकी डॉलर के नोट बदलना चाहता है. उन्होंने बताया कि 12 मई को आरोपियों ने कलंबोली के एक अस्पताल के पास पीड़ित को रूमाल में लिपटे हुए कुछ बंडल दिखाए, जो अमेरिकी मुद्रा लग रहे थे. पीड़ित ने नोट को असली समझकर दो लाख रुपये नकद दे दिए, इसके बाद आरोपी फरार हो गए.

NEET केस में केमिस्ट्री कोचिंग का डायरेक्टर अरेस्ट

- CBI को फोन में लीक पेपर मिला
- सेंटर पर भी छापेमारी
- अब तक 10 गिरफ्तार

पुणे. NEET पेपर लीक केस में सोमवार को 10वीं गिरफ्तारी हुई। CBI ने महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री कोचिंग डायरेक्टर शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, रविवार को CBI की तलाशी के दौरान रघुनाथ के मोबाइल से NEET UG का लीक पेपर बरामद हुआ।

CBI के मुताबिक मोटेगांवकर संगठित गिरोह का हिस्सा है, जो NEET पेपर लीक कराने और आगे फैलाने में शामिल है। उसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 23 अप्रैल को ही पेपर और आंसर की हासिल की और कई लोगों को दी थी।

CBI ने 15 मई को मोटेगांवकर से उसके घर पर 8 घंटे पूछताछ की थी। मोटेगांवकर का लातूर समेत 7 जिलों में रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस (RCC) नाम का कोचिंग सेंटर है। रविवार को CBI ने RCC के मेन ऑफिस पर छापा मारकर कई डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कोचिंग सेंटर का 100 करोड़ का टर्नओवर है। CBI को शक है कि सेंटर में NEET कैंडिडेट्स को लीक पेपर के सवाल उपलब्ध कराए गए। साथ ही लातूर के कई डॉक्टरों ने लीक पेपर खरीदा। NEET-UG पेपर लीक मामले में अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें से 6 महाराष्ट्र से हैं।

सुदृढ़ स्वास्थ्य के लिए 'आनंद पथ-रोड स्वास्थ्य' पहल जोश के साथ शुरू

ठाणे. लोगों की सुदृढ़ स्वास्थ्य और ज़िंदगी को बढ़ावा देने व मोबाइल फ़ोन के आदी बच्चों को अलग-अलग स्पोर्ट्स, आर्ट और कल्चरल एक्टिविटीज़ देने के मकसद से, रविवार को बड़े जोश के साथ नई पहल "आनंद पथ रोड स्वास्थ्य" का आयोजन किया गया।

इस पहल को नगरसेवक राजेश मोरे और पूर्व नगरसेविका रुचिता राजेश मोरे ने ऑर्गनाइज़ किया था।ठाणे मनपा, ठाणे पुलिस आयुक्तालय और ऑर्गनाइज़र के कॉन्सेप्ट के साथ शुरू की गई यह पहल अपने पांचवें साल में है और लोगों ने मनपा मुख्यालय के सामने सड़क पर बड़े जोश के साथ हिस्सा लिया।

"चलो आनंद पथ पर चलें चलो सब नाचें-गाएं, योग करें और अपने गेम्स खेलें" के कॉन्सेप्ट के तहत अलग-अलग स्पोर्ट्स, आर्ट और कल्चरल प्रोग्राम पेश किए गए।इस एक्टिविटी में योग, ड्रम सर्कल, जिम्नास्टिक, पंजा लड़ाई, शिव-युगीन मार्शल आर्ट, स्केचिंग, रस्सी कूद, मल्लखंब, क्रॉस फिट, डांस, कराओके वगैरह कई तरह के प्रेज़ेंटेशन दिए गए। साथ ही, येउर गांव के युवाओं ने भौरा, लगोरी और लेज़ीम पेश करके पारंपरिक खेलों की झलक दिखाई। नागरिकों ने भी अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेकर मज़ा लिया।इस एक्टिविटी का उद्घाटन ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने किया।

पालघर में कंटेनर-मिनी ट्रक में टक्कर 12 बारातियों की मौत, 20 से ज्यादा घायल

पालघर. पालघर में सड़क हादसे ने बारातियों की खुशियां छीन लीं। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कंटेनर और मिनी ट्रक की टक्कर में 12 बारातियों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक यह हादसा भोर में करीब चार बजे के आसपास हुआ। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि बारातियों को लेकर जा रही मिनी ट्रक के परखच्चे उड़ गए।

कैसे हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, हादसा डहानू तालुका के धानीवारी गांव के पास शाम करीब चार बजे हुआ जब 50 से अधिक यात्री एक आयशर टेम्पो में सवार होकर बापूगांव खड़कीपाड़ा गांव के निवासी बालाराम जयराम दांडेकर नामक व्यक्ति के समारोह में जा रहे थे। कासा थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अमर पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहाकि भीषण हादसे में कुल 12 लोगों की मौत हुई और 20 अन्य घायल हुए हैं। घायलों को कासा उप जिला अस्पताल और आसपास के अन्य चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया है।

बहुत खतरनाक थी टक्कर

पुलिस के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेम्पो व कंटेनर दोनों पलट गए और कई यात्री वाहनों के नीचे फंस गए। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला है कि टेम्पो में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे और तेज रफ्तार, सड़क का संकरा हिस्सा और टेम्पो चालक द्वारा वाहन पर से नियंत्रण खो देना हादसे के मुख्य कारण माने जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पांच यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि सात अन्य ने बाद में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

एकमात्र नगरसेवक, जो रोजाना गरीबों को भोजन और वार्ड में हर महिने राशन वितरित करता है

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना का एकमात्र नगरसेवक ऐसा है, जो हर माह जरूरतमंदों को अपने वार्ड में निराधार महिलाओं को दवाइयां एवं राशन वितरित करता है. साथ ही उन्होंने कोरोना काल से लेकर आज तक रोजाना गरीबों में भोजन वितरित कर रहे हैं. अब तक हजारों गरीबों में उन्होंने भोजन वितरित किया है. ये नगरसेवक हैं शहर पश्चिम में वांद्रा पाड़ा, शास्त्री नगर के विकास सोमेश्वर हेमराज.

उनका कहना है कि शिवसेना के 80% समाजकारण के वाक्य को लेकर वह ये कार्य कर रहे हैं. इस महिने अपने वार्ड में 90 लोगों में उन्होंने दवाइयां एवं राशन वितरित किया है. ये और बात है कि शहर में ऐसा कई पक्ष के नेता नगरसेवक हैं जो हर वर्ष दिवाली एवं ईद के त्यौहार पर अनाज का वितरण करते हैं. लेकिन हर रोज गरीबों को दोपहर का भोजन एवं हर महिने वार्डवासियों को अनाज का वितरण करने वाला एक ही नगरसेवक विकास है. ऐसा यहां के वार्डवासियों ने कहा है. उनका ये भी कहना है कि आज तक नगरसेवक केवल इलेक्शन की हद तक वादे करते थे और पांच वर्ष तक दिखाई नहीं देते थे, लेकिन विकास वार्डवासियों की समस्या पर बराबर ध्यान दे रहे हैं. अंबरनाथ नगर परिषद के चुनाव को अभी पांच महिने भी नहीं हुए हैं. नपा चुनाव के लिए साढ़े चार वर्ष शेष है. लेकिन चुनाव को देखते हुए नहीं, राजकारण व सत्ता के लिए नहीं समाजकारण करना ही उनका नारा है, ऐसा उनका कहना है. वह स्वतः जरूरतमंदों में राशन वितरित करने के लिए अपने हाथों से पैकिंग करके राशन वितरित करते हैं ताकि कोई जरूरत रह ना जाए. उनके इस कार्य की शहर में चर्चा हो रही है.

मुंबई से हैदराबाद सिर्फ 3 घंटे में?

671 किमी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का DPR तैयार

मुंबई. मुंबई और हैदराबाद के बीच सफर आने वाले वर्षों में बेहद तेज और आसान हो सकता है। प्रस्तावित Hyderabad-Pune-Mumbai हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का Detailed Project Report (DPR) तैयार हो चुका है। यह परियोजना पूरी होने के बाद दोनों शहरों के बीच यात्रा समय लगभग 3 घंटे तक सिमट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर करीब 671 किलोमीटर लंबा होगा और महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तेलंगाना से होकर गुजरेगा। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र में होगा। परियोजना का संचालन National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) द्वारा किया जाएगा।

अधिकारियों के मुताबिक, बुलेट ट्रेन की मदद से मुंबई से हैदराबाद का सफर न्यूनतम 2 घंटे 55 मिनट और अधिकतम 3 घंटे 13 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। फिलहाल ट्रेन से यह यात्रा 15 घंटे तक और सड़क मार्ग से करीब 12 घंटे लेती है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना में आधुनिक एलिवेटेड ट्रैक, अंडरग्राउंड सेक्शन, सुरंगें और बड़े पुल शामिल होंगे। महाराष्ट्र के खंडाला घाट क्षेत्र में सबसे चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग कार्य प्रस्तावित है, जहां 13 स्थानों पर करीब 24 किलोमीटर लंबी सुरंगें बनाई जाएंगी। इसके अलावा महाराष्ट्र में 35 किलोमीटर से अधिक का अंडरग्राउंड सेक्शन भी प्रस्तावित है।

भिवंडी के 2 युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत

भिवंडी. मुंबई-वडोदरा हाईवे पर उद्घाटन से पहले ही हादसों का सिलसिला शुरू हो गया है. दुगाड़ इलाके में एक डंपर की टक्कर से भिवंडी के 2 बाइक सवार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई.मृतकों के नाम जीशान अंसारी (20) पीरानी पाड़ा भिवंडी) और इमरान अंसारी (25) निवासी पटेल कंपाउंड, धामनकर नाका) बताए गए हैं. दोनों वॉलपेपर लगाने का काम करते थे. वे इसी काम के सिलसिले में अंबाड़ी नाका गए हुए थे. वापस लौटते समय जब वे वडोदरा हाईवे से आ रहे थे, तभी मोहिली-दुगाड़ इलाके में सड़क निर्माण कार्य के लिए माल ढुलाई कर रहे एक उंपर से उनकी मोटरसाइकिल टकरा गई. हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और अधिक खून बहने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई.

महापौर नारायण चौधरी ने किया नाला सफाई का औचक निरीक्षण

- बेहतर सफाई कार्य करने वाले ठेकेदार को मिलेगा 1 लाख रुपये इनाम

भिवंडी. मनपा के महापौर नारायण रतन चौधरी ने मानसून से पहले शहर में शुरू किए गए नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को समय पर तथा गुणवत्तापूर्ण तरीके से सफाई कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

महापौर ने घोषणा की कि सबसे बेहतर तरीके से नाला सफाई करने वाले ठेकेदार को नकद 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

महापौर चौधरी ने रतन टॉकीज, भंडारी परिसर, काकूबाई चाल, दरगाह दीवान शाह नगर, देव नगर और कारिवली समेत कई क्षेत्रों में चल रहे सफाई कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने नाला सफाई में लगे मजदूरों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को गम बूट और हाथों के लिए दस्ताने उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। हालांकि मजदूरों ने बताया कि कुछ स्थानों पर अधिक फिसलन होने के कारण सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने में परेशानी होती है।

भिवंडी मनपा के आरोग्य एवं स्वच्छता विभाग द्वारा विभिन्न प्रभाग समितियों में करोड़ों रुपये के ठेके जारी किए गए हैं। प्रभाग समिति क्रमांक-01 और 03 के नालों की सफाई का कार्य मैसर्स सुजित बालासाहेब खरात कंपनी को सौंपा गया है, जबकि प्रभाग समिति क्रमांक-02 और 05 का कार्य चंडिका कन्स्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया है। इसके अलावा प्रभाग समिति क्रमांक-04 तथा मुख्य सड़कों के नालों की सफाई के लिए भी अलग-अलग कंपनियों को ठेके जारी किए गए हैं।

वहीं मनपा के आंकड़ों को लेकर अब सवाल भी उठने लगे हैं। वर्ष 2025 में जहां 135 नालों की सफाई पर 2.27 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, वहीं वर्ष 2026 में नालों की संख्या बढ़ाकर 235 कर दी गई और खर्च भी 2.44 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया। ऐसे में शहर में चर्चा है कि आखिर अतिरिक्त नाले कहां से आए और क्या कागजों में संख्या बढ़ाकर करोड़ों रुपये के ठेके जारी किए गए हैं।

महापौर के साथ निरीक्षण के दौरान आरोग्य एवं स्वच्छता अधिकारी फैसल तातली, जे.एम. सोनवणे, वार्ड अधिकारी अरविंद घुगरे सहित अन्य मनपा अधिकारी मौजूद रहे। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधि वसीम अंसारी, इरफान अंसारी और शकील पापा भी उपस्थित थे।

'पेड्डी' ट्रेलर लांच के लिए राम चरण ने कराया न्यू हेयर कट

साउथ सुपरस्टार राम चरण की फैन फॉलोइंग आज पूरी दुनिया में हैं। अपने करियर में राम चरण ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। इन दिनों राम चरण अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर 'पेड्डी' को लेकर हर दिन नई अपडेट सामने आ रही है। ऐसे में फैंस को अब 'पेड्डी' के रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। 'पेड्डी' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने लिए तैयार है। वहीं, फिल्म के ट्रेलर ने फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ा दिया है और उससे भी ज्यादा राम चरण के लुक ने। एक्टर ने अपने लुक हेयरकट से फैंस को बड़ा सरप्राइज कर दिया। चलिए देखते हैं राम चरण का न्यू हेयर स्टाइल?

'पेड्डी' ट्रेलर लांच के लिए राम चरण ने कराया न्यू हेयर कट

सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हाकिम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर राम चरण के इस नए लुक की कई फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में राम चरण पूरी तरह से बदले लुक में नजर आ रहे हैं। एक्टर के लंबे बाल उन्हें काफी फ्रेश लुक दे रहा है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि राम चरण ब्लैक कलर के गॉगल्स लगाए अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे हैं। इन तस्वीरों को खुद आलिम हाकिम ने कैप्चर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'ग्लोबल स्टार राम चरण आलिम हाकिम के घर में। 'पेड्डी' के 18 मई को होने वाले ट्रेलर लॉन्च के लिए ढेरों शुभकामनाएं।'

गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय धर्मधुरंधर सूरिश्वरजी महाराज की पावन निश्रा में

भिवंडी श्री सुपार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में संक्रांति महोत्सव

भिवंडी. श्री सुपार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर नवीचाल भिवंडी में पंजाब केसरी आचार्य श्रीमद् विजय वल्लभ सूरि समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति श्रुतभास्कर आचार्य श्रीमद् विजय धर्मधुरंधर सूरिजी महाराज आदि साधु-साध्वी वृन्द की पावन शुभ निश्रा में संक्रांति महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। प्रातःकाल मंदिरजी में पूज्य गुरुदेव द्वारा मंत्रोच्चारपूर्वक उवसग्गरह यंत्र पूजन व संक्राति नाम सुनाया गया। पदम जैन दिल्ली, राजेंद्र बागरेचा, केवलचंद घी वाले, मोहनलाल लुणावा, मनोज कोचर, अशोक भाई जीवनपुरा, आदि ने सुमधुर आवाज में गीत प्रस्तुत किए। केवलचंद जैन (घी वालों) ने अपनी मधुर गीतों से सकल श्रीसंघ को गुरुभक्ति में मगन कर दिया। गुरु इन्द्रदिन्न जन्मभूमि - इन्दरप्रदेश से गुरूभक्त पधारे व उन्होंने जून माह की संक्राति इन्द्रप्रदेश सालपुरा में करने की विनती करी, जिसे गुरुदेव ने सहर्ष स्वीकार कर स्वीकृति दी। श्री सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर के ट्रस्ट मंडल ने गुरुदेव को 2027 का चातुर्मास भिवंडी में करने की पुरजोर विनती की। भवरलाल पालरेचा, भिवंडी ने सकल श्रीसंघ भिवंडी के समक्ष पूज्य गच्छाधिपति गुरुदेव का संक्षिप्त विवरण कर गच्छधिपति गुरुदेव श्रुतभास्कर आचार्य श्रीमद् विजय धर्मधुरंधर सूरि जी महाराज से अवगत करवाया।

नगर सेविका ऋषिका रांका ने भी संक्रांति पर्व पर उपस्थित रहकर पूज्य गुरुदेव से आशीर्वाद ग्रहण किया व अपने परिवार पर गुरु वल्लभ समुदाय के उपकारों का विवरण किया व साथ ही आगामी वर्ष का चातुर्मास भिवंडी करने की विनती की। संक्रांति महोत्सव के लाभार्थी मातुश्री शांताबाई वालचंदजी लालचंदजी रांका परिवार सादड़ी, भिवंडी का बहुमान श्री संघ द्वारा किया गया। संक्राति लाभार्थी परिवार देवराज रांका, प्रदीप रांका, वंश रांका परिवार ने पूज्य गच्छाधिपति गुरुदेव को कांबली ओढ़ाई।

संक्रांति भक्त विजय कोचर बीकानेर वालो ने संक्रांति भजन गाया। मुनिराज श्री ऋषभचंद्र विजयजी महाराज, मुनिराज श्री धर्मबोधि विजयजी महाराज ने मंगल प्रवचन दिए। मुनि श्री महाभद्र विजयजी म.सा, ने संक्रांति स्त्रोत्र पाठ व मुनि श्री अक्षयरत्न विजय जी म.सा. ने श्री माणिभद्र वीर स्तोत्र का श्रवण कराया। गच्छधिपति गुरुदेव ने अपनी मंगलवाणी से गुरु वल्लभ के उपकारों का स्मरण किया व जिनशासन मंदिरम् में स्थापित होने वाले महाप्रभावकों में से एक महाप्रभावक से जुड़ी कहानी सुनाई। व अंत में संक्रांति नाम का श्रवण कराया।

भिवंडी में भाजी मार्केट पर मनपा का चला बुलडोजर

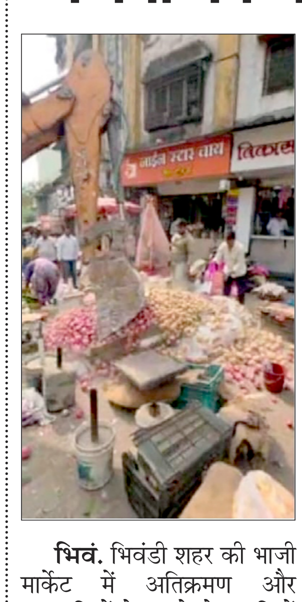

भिवं. भिवंडी शहर की भाजी मार्केट में अतिक्रमण और हाथगाड़ियों के बढ़ने से नागरिकों को सड़क पर कारण में भारी भीड़ के चलते यातायात प्रभावित हो रहा था। इसी को देखते हुए भिवंडी मनपा के अतिक्रमण विभाग ने प्रभाग अधिकारी गिरीश घोष्टेकर के नेतृत्व में शुक्रवार शाम को व्यस्त समय के दौरान एक बड़ा अभियान चलाया। पुराने निजामपुर पुलिस स्टेशन के सामने और आसपास के इलाकों में फल और सब्जी विक्रेताओं द्वारा सड़कों पर लगाई गई अवैध दुकानें, हाथगाड़ियाँ और अन्य अतिक्रमणों को जेसीबी मशीनों की मदद से हटाया गया।

इस अभियान के दौरान पूरे इलाके में अफरा-तफरी मची रही। अतिक्रमण हटाते समय कुछ दुकानदारों और मनपा अधिकारियों के बीच कहा-सुनी भी हुई उसके बावजूद पुलिस सुरक्षा में अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहा। बाजार क्षेत्र में सड़कों को साफ करने के लिए हाथगाड़ियाँ, अस्थायी शेड और सड़क पर रखी सामग्री को हटा कर सड़कें साफ की गई। प्रशासन ने बताया कि यह कार्रवाई मनपा के अतिक्रमण विभाग द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है, यह आगे भी जारी रहेगी।।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास वि NEWS LIVE
Google Play
उल्हास वि NEWS GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास वि NEWS Subscribe

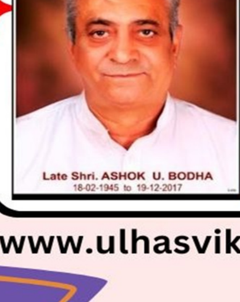
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

आम सूचना

मैं श्री राकेश जगदीश थदाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 701, 7वां मजला, स्विटी को.आप. हाउसिंग सोसायटी लि. ब्लॉक नं. 60, रुम नं. 357 व 358, गोल मैदान, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 13बीआय015530500) उक्त प्रॉपर्टी श्री मुकेश श्रीचंद माखीजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 11.4.2026 सी.नं. 866/2026 द्वारा मैंने खरीदा है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री राकेश जगदीश थदाणी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099